Fact Sheet

तपेदिक - टी.बी.

टी.बी. क्या है?
टी.बी. एक छुतही बीमारी है जो टी.बी. के कीटाणुओं से होती है। टी.बी. अक्सर फेंफड़ों पर हमला करता है, लेकिन शरीर के किसी भी भाग को प्रभावित कर सकता है। टी.बी. सदियों से चला आ रहा है।

वह कैसे फैलता है?
टी.बी. एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक हवा के जरिये फैलता है। टी.बी. उस समय फैलता है जब किसी को फेंफड़ों, खांसी या छींक में टी.बी. की बीमारी होती है। यह बहुत अधिक छुतही नहीं है। इस बीमारी को फैलने के लिये टी.बी. के मरीज के साथ नजदीकी, दीर्घ-कालीन या नियमित सम्पर्क जरूरी होता है।

टी.बी. इन्फैक्शन क्या है?
अधिकतर लोग, जो सांस के द्वारा टी.बी. के कीटाणु अंदर लेते हैं, उन्हें बढ़ने से रोक सकते हैं। इम्यून सिस्टम, टी.बी. के कीटाणुओं को फांस लेता है और उन्हें निष्क्रिय बनाए रखता है। इसे टी.बी. का इन्फैक्शन कहते हैं और ये लोग :

- बीमारी महसूस नहीं करते/कोई लक्षण नहीं होते
- टी.बी. के कीटाणु फैला **नहीं सकते**
- स्किन टैस्ट सकारात्मक होता है (नोट : ऐसे लोग जिन्हें ऐसी बीमारियां होती हैं जो इम्यून सिस्टम को कमजोर बना देती हैं, जैसे कि डायबीटीज़ (मधुमेह), ऐच.आई.वी. या कैन्सर, उन्हें टी.बी. का इन्फैक्शन होने पर भी उनका स्किन टेस्ट नकारात्मक हो सकता है - इस वर्ग के लोगों को अपने डाक्टर से बात करनी चाहिये)
- जीवन में आगे चलकर टी.बी. की बीमारी सक्रीय हो सकती है

टी.बी. बीमारी क्या है?
टी.बी. कीटाणु, उस समय सक्रीय हो जाते हैं जब शरीर की इम्यून सिस्टम कीटाणुओं को बढ़ने से रोक नहीं पाती है। सक्रीय टी.बी. के कीटाणु बढ़ना शुरू करते हैं और शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। टी.बी. बीमारी के लक्षण हैं :

- खांसी (3 सप्ताह से अधिक चलने वाली)
- बुखार/कंपकंपी/रात को पसीना आना
- थकान महसूस करना
- अकारण वजन घटना/भूख घटना

यदि टी.बी. की बीमारी शरीर के किसी अन्य भाग में है तो उसके लक्षण इस पर निर्भर होंगे कि टी.बी. कहां बढ़ रहा है, उदाहरण के लिये लिम्फ गांठों में सूजन या जोड़ों में दर्द।

टी.बी. के टैस्ट क्या हैं?
टी.बी. की परख, स्किन टैस्ट के द्वारा की जाती है। सकारात्मक स्किन टैस्ट का अर्थ है, व्यक्ति के शरीर में टी.बी. के कीटाणु हैं। टी.बी. बीमारी की परख के लिये शारीरिक जांच, छाती का ऐक्स-रे और थूक (फेंफड़ों से खांसी द्वारा बाहर निकला म्यूकस) की जांच की जाती है।

टी.बी. का इलाज कैसे होता है?
टी.बी. इन्फैक्शन वाले लोगों में टी.बी. बीमारी को रोकने के लिये दवाई से फायदा हो सकता है। टी.बी. बीमारी वाले लोगों के लिये बीमारी को दूर करने के लिये इलाज पूरा करना जरूरी है। टी.बी. की दवाइयां मुफ्त मिलती हैं जब डाक्टर उन्हें पब्लिक हैल्थ से मंगवाता है। **टी.बी. रोका जा सकता है, उसका इलाज हो सकता है और रोगमुक्त हुआ जा सकता है।**

Hindi — मई 2008